



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधानमंत्री से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 257] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 16, 1989/चैत्र 26, 1911

No. 257] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 16, 1989/CHAITRA 26, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हो जाती है जिससे निम्न यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग, मंत्रालय
(कंपनी कार्य विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मई, 1989

मा.का.नि. 530 (अ) : —केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1966 (1956 का 1) की धारा 620 की उपधारा (1) द्वारा प्रश्न शाकियों का प्रयोग करने हुए, निवेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 208 की उपधारा (3) के खण्ड (ब) के उपवर्ध उभ सरकारी कम्पनी को, जो औद्योगिक परियोजनाओं के वित्तीय प्रयोग के कारबाह में लगी हुई हैं और आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 36(1) (viii) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित हैं, उस विस्तार तक, जहाँ तक वह कहाँ और अग्रिमों पर व्याज से आय में मंजूरी होने, परन्तु यह नव जव कि ऐसी प्रोद्भूत

आय, जिसका नेग्दा-शहियों मे हिसाव नहीं दिया गया है, वार्षिक लेखा मे टिप्पण के रूप में प्रकट की गई हो। इस अधिकार की एह प्रो. पाल के द्वा मे समझ के दोनों सदनों के समझ रख की गई है, जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 620 की उपधारा (2) में अपेक्षित है।

[फा.स 1/5/88 सीएल V]
श्री. पी. गुप्ता, मंथुक्त मन्त्रिमंत्री

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Company Affairs)
NOTIFICATION

New Delhi, the 16th May, 1989

G. S. R. 550 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 620 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby directs that the provisions of clause (b) of sub-section (3) of section 209 of the said Act shall not apply to a Government company engaged in the business of financing industrial projects and approved by the Central Government under section 36 (1) (viii) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the extent it relates to income from interest on loans and advances, provided that such accrued income, which is not accounted for in the books of account, is disclosed by way of note in the annual accounts, a copy of this notification having been laid in draft before both the Houses of Parliament as required by sub-section (2) of section 620 of the said Act.

{File No. 1/5/88-CI. V}
V. P. GUPTA, Jt Secy.